IIMA PRESS RELEASE 2014-15

The Refurbished Faculty Development Programme at IIM Ahmedabad

IIMA, April 25, 2014: The Indian Institute of Management Ahmedabad (IIMA) launches its refurbished and, 36th rendition of the Faculty Development Programme (FDP) on June 9, 2014. Among the modifications made to its existing content, the programme has been strengthened by a significant increase in inputs in research methodology, keeping in mind the need for building such skills in the management faculty of the country. In comparison to previous offerings, in the refurbished FDP the specialization part is significantly strengthened. The programme purports to provide specialized course work in three primary areas of management, namely, Finance, Marketing and Organization Behaviour and Industrial Relations.

These will be in addition to the available basic general management module that emulates the core content of the erstwhile FDP. These enhancements have been made based on inputs provided by various constituents during IIMA's recently concluded series of interactions with its external stakeholders.

IIMA has a long history of faculty development activities ever since it started its first University Teachers Programme in 1965 for management teachers. The FDP programme is a part of its long-term commitment towards development of competent management teachers and institution building. The key objective of the programme is to upgrade the teaching, training, and research skills of management teachers. So far a total of 703 faculty members have completed their FDP at IIMA. Programme attracted number of participants other countries such as Nepal, Bangladesh, Bhutan, Maldives, Ethiopia and Sri Lanka.

आईआईएमए प्रेस विज्ञप्ति 2014-15

आईआईएम अहमदाबाद में संकाय विकास कार्यक्रम का नवीनीकरण

आईआईएमए, 25 अप्रैल, 2014 : भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) ने अपने संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी) का नवीनीकरण किया और कार्यक्रम का 36वाँ प्रस्तुतिकरण 9 जून, 2014 को रखा है। मौजूदा विषय सामग्री में किये गये परिवर्तनों के अलावा, देश में प्रबंधन संकायों में ऐसे कौशलों के निर्माण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शोध पद्धति के आदानों में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है और कार्यक्रम को अधिक मजबूत बनाया गया है। पहले किये गये प्रस्तावों की तुलना में, इस एफ़डीपी नवीनीकरण में विशेषीकृत हिस्सा है उसकी महत्त्वपूर्ण रूप से मजबूती। इस कार्यक्रम का तात्पर्य है, प्रबंधन के तीन प्राथमिक क्षेत्रों, जैसे कि, वित्त, विपणन और संगठनात्मक व्यवहार एवं औद्योगिक संबंध में पाठ्यक्रम को विशेषता प्रदान करना।

ये मौजूदा प्राथमिक सामान्य प्रबंधन मॉड्यूल के अतिरिक्त होंगे, जो कि एफ़डीपी की मूल सामग्री का अनुकरण है। ये संवर्धन बाहरी हितधारकों के साथ आईआईएमए की हाल ही में समाप्त हुई बातचीत की श्रृंखला के दौरान विभिन्न अभिप्रायों के आधार पर बनाये गए हैं।

आईआईएमए का संकाय विकास गतिविधियों का एक लंबा इतिहास रहा है जब से इसने सन् 1965 में प्रबंधन शिक्षकों के लिए अपना पहला विश्वविद्यालय शिक्षक कार्यक्रम शुरू किया था। एफडीपी कार्यक्रम सक्षम प्रबंधन शिक्षकों और संस्था निर्माण के विकास की दिशा में अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रबंधन शिक्षकों में शिक्षण, प्रशिक्षण, और अनुसंधान कौशलों को बढ़ावा देना है। अब तक कुल 703 संकाय सदस्यों ने आईआईएमए में अपना एफ़डीपी पूरा किया है। इस कार्यक्रम ने नेपाल, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, इथियोपिया और श्री लंका जैसे अन्य देशों के काफी प्रतिभागियों को आकर्षित किया है।